VPM CLASSES

NTA UGC NET

HINDI

SOLVED SAMPLE PAPER

* DETAILED SOLUTIONS
* NEW SYLLABUS
* NEW PATTERN

9001894070

www.vpmclasses.com

UGC NET **हिन्दी** **FMTP**

समय–2 घण्टे **(प्रश्नपत्र II)** **अधिकतम अंक : 200**

नोट : इस प्रश्नपत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हैं। सारे प्रश्न करना अनिवार्य हैं।

1. निम्न में से प्लेटों का समकालीन कवि कौन है ?

(1) रूसो (2) वर्ड् सवर्थ

(3) होमर (4) इलिएट

2. अनुकरण का अर्थ सर्जना का अभाव नहीं अपितु पुनर्सर्जना है। प्रस्तुत मत किस विद्वान का है

(1) प्रोफेसर ब्रूचर (2) प्रोफेसर मूरे

(3) अरस्तू (4) लेसिंग

3. पेरिइप्सूस रचना किस विद्वान की कृति है

(1) लोंजाइनस (2) मूरे

(3) लेसिंग (4) ब्रूचर

4. स्थापना A : कला का मूल्यवादी सिद्धान्त एवं सम्प्रेषणीयता का सिंद्धात आई. ए. रिचर्डस ने दिया है।

तर्क R : Principles of Literary criticism नामक ग्रंथ के रचियता का संबंध अभिव्यंजनावाद से है।

(1) A गलत R सही (2) A सही R गलत

(3) A और R दोनों गलत (4) A और R दोनों सही

5. हीरा के उस भाई का क्या नाम था जो होरी से अलग रहता था ?

(1) शोभा (2) रामा

(3) गोबर (4) मातादीन

6. इनमें से कौन सा पात्र चन्द्रगुप्त नाटक का नही है ?

(1) सिंहरण (2) अलका

(3) चाण्क्य (4) मन्दाकिनी

VPM CLASSES

7. इन सूचियों को सूमेलित कीजिए :

a. लहरों के राजहंस	1. सावित्री
b. आधे अधूरे	2. मल्लिका
c. आषाढ़ का एक दिन	3. कार्नेलिया
d. चन्द्रगुप्त	4. सुन्दरी

	a	b	c	d
(1)	a-3	b-2	c-4	d-1
(2)	a-2	b-4	c-1	d-3
(3)	a-4	b-1	c-2	d-3
(4)	a-1	b-3	c-4	d-2

8. भक्ति भावना का स्त्रोत मूलतः किस स्थान से है ?

(1) पूर्व भारत (2) पश्चिम भारत

(3) उत्तर भारत (4) दक्षिण भारत

9. भक्ति मार्ग को महत्व देने वाले महाराष्ट्र के प्रसिद्ध भक्त निम्न मे से है –

(1) नामदेव (2) वल्लभाचार्य

(3) रामानन्द (4) जयदेव

10. व्रजयानी शाखा से किस सम्प्रदाय का विकास हुआ

(1) जैन सम्प्रदाय (2) सिद्ध सम्प्रदाय

(3) नाथ सम्प्रदाय (4) रूढ़ सम्प्रदाय

11. लक्षण ग्रंथ लिखने वाले कवियों को कहा जाता है –

(1) रीतिसिद्ध (2) रीतिबद्ध

(3) रीतिमुक्त (4) श्रृंगारबद्ध

12. श्रृंगारिकता के प्रति रीतिकालीन कवियों का दृष्टिकोण भोग परक था। यह कथन है –

(1) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र का (2) भागीरथ का

(3) रामचन्द्र शुक्ल का (4) नगेन्द्र का

VPM CLASSES

13. स्थापना A : भूषण रीतिकाल मे वीररस की कविता करने वाले सशक्त कवि है।

तर्क R : भूषण के काव्यांग में निरूपण नहीं किया गया है।

(1) A गलत R सही (2) A सही R गलत

(3) A और R दोनों गलत (4) A और R दोनों सही

14. प्रार्थना समाज के प्रमुख उन्नायक कौन थे ?

(1) दयानन्द सरस्वती (2) केशवचन्द्र सेन

(3) महादेव गोविन्द रानाडे (4) राजा राममोहन राय

15. निम्न में से कौन सी रचना खड़ी बोली की नहीं है –

(1) साकेत (2) जयद्रय वध

(3) पंचवटी (4) रस कलश

16. निम्नलिखित कवियों को उनके काल के अनुसार सही अनुक्रम मे बताइए

(1) पंत, प्रसाद, निराला, महादेवी (2) निराला, प्रसाद, पंत, महादेवी

(3) प्रसाद, निराला, पतं, महादेवी (4) महादेवी, पंत, निराला, प्रसाद

17. अयोध्या सिंह उपाध्याय की निम्न रचनाओं को उनके सही अनुक्रम मे लिखिए

(1) प्रद्युम्न विजय, रूक्मिणी परिणय, ठेठ हिन्दी का ठाठ, अधखिला फूल

(2) अधखिला फूल, रूक्मिणी परिणय, ठेठ हिन्दी का ठाठ, प्रद्युम्नविजय

(3) प्रद्युम्न विजय, रूक्मिणी परिणय, ठेठ हिन्दी का ठाठ, अधखिला फूल

(4) रूक्मिणी परिणय, प्रद्युम्न विजय, ठेठ हिन्दी का ठाठ, अधखिला फूल

18. प्रगतिशील लेखक संघ का पहला अधिवेशन किस स्थान पर हुआ

(1) मद्रास (2) लखनऊ

(3) बम्बई (4) महाराष्ट्र

19. गा कोकिल बरसा पावक कण

नष्ट भ्रष्ट हो पूर्ण पुरातन।

(1) छायावाद (2) प्रगतिवाद

(3) प्रयोगवाद (4) नवगीत

VPM CLASSES

20. दिल्ली के एक सेठ पुत्र मदनमोहन की कहानी निम्न में से किस रचना की कथावस्तु है।

(1) भाग्यवती (2) प्रेम लहरी

(3) अधखिला फूल (4) परीक्षा गुरू

21. प्रयोगवाद की निम्न पंक्तियों को उनके सांकेतिक अर्थ से सुमेलित कीजिए –

a. नभ मे मचा दे हलचल	1. आत्मबलिदान
b. सूने गलियारो की उदासी	2. निराशा
c. मलय का झोंका बुलाया	3. क्रांति
d. यह प्रेम यज्ञ की ज्वाला है	4. सुगंध

	a	b	c	d
(1)	a-4	b-3	c-1	d-2
(2)	a-2	b-3	c-2	d-4
(3)	a-3	b-2	c-4	d-1
(4)	a-1	b-3	c-2	d-4

22. हिन्दी के निम्न प्रथम उपन्यासो को उनके रचनाकार के साथ सुमेलित कीजिए –

a. परीक्षा गुरू	1. पं. गौरीदत्त
b. देवरानी जेठानी की कहानी	2. लाला श्री निवासदास
c. निस्सहाय हिन्दू	3. श्रद्धाराम फुल्लौरी
d. भाग्यवती	4. राधाकृष्णदास

	a	b	c	d
(1)	a-4	b-1	c-3	d-2
(2)	a-2	b-4	c-3	d-1
(3)	a-1	b-3	c-4	d-2
(4)	a-2	b-1	c-4	d-3

VPM CLASSES

23. निम्न उपन्यासों को रचनाकाल की दृष्टि से सही अनुक्रम में लिखिए –

(1) दिल्ली का दलाल, बुधुआ की बेटी, शराबी, जीजाजी

(2) बुधुआ की बेटी, शराबी, जीजाजी, दिल्ली का दलाल

(3) दिल्ली का दलाल, शराबी, बुधुआ की बेटी, जीजाजी

(4) जीजाजी, दिल्ली का दलाल, शराबी, बुधुआ की बेटी

24. भारतेन्दु जी की कौनसी रचना संस्कृत के पंचाशिका का हिन्दी अनुवाद है–

(1) मुद्राराक्षस (2) रत्नावली

(3) विद्यासागर (4) धनंजय विजय

25. आर्यो और नागजाति के संघर्ष को प्रसाद जी ने अपने किस नाटक में प्रस्तुत किया है ?

(1) चंद्रगुप्त (2) जनमेजय का नागयज्ञ

(3) स्कन्दगुप्त (4) विशाखा

26. धर्मवीर भारती के नाटक अंधायुग के अंको को उनके नाम के साथ सुमेलित कीजिए –

a. पहला अंक	1. गांधारी का शाप
b. दूसरा अंक	2. कौख नगरी
c. तीसरा अंक	3. पशु का उदय
d. चौथा अंक	4. अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य

	a	b	c	d
(1)	a-2	b-3	c-4	d-1
(2)	a-1	b-4	c-2	d-3
(3)	a-4	b-2	c-1	d-3
(4)	a-3	b-1	c-4	d-2

27. कौनसी रचना विद्यानिवास मिश्र की नहीं हैं ?

(1) चितबन की छांट (2) तुम चंदन हम पानी

(3) मैने सिल पहुंचाई (4) गंधमादन

VPM CLASSES

28. निम्नलिखित आचार्य शुक्ल के निबंधों मे से कौनसा मनोविकारी संबंधी निबंध है ?

(1) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (2) काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

(3) श्रद्धा भक्ति (4) मानस की धर्मभूमि

29. प्रबल मनोभावों का सहज उच्छलन ही कविता है, किसकी काव्य परिभाषा है –

(1) कॉलरिज (2) वर्ड्सवर्थ

(3) शेली (4) कीट्स

30. इन कथनों के साथ अलंकारो को सुमेलित कीजिए –

a. वह आदमी नहीं हैवान है 1. उत्प्रेक्षा

b. वे तो मानो देवता है 2. रूपक

c. कहीं यह उसकी चाल तो नहीं 3. भ्रांतिमान

d. आप तो साक्षात इन्द्र है 4. अपह्नुति

	a	b	c	d
(1)	a-4	b-1	c-3	d-2
(2)	a-1	b-4	c-3	d-2
(3)	a-4	b-2	c-3	d-1
(4)	a-1	b-2	c-3	d-4

31. निम्न में से किस ग्रंथ में रस संबंधी व्याख्या नहीं है

(1) अग्निपुराण (2) कविप्रिया

(3) साहित्यदर्पण (4) कवितावली

निर्देश–निम्नलिखित अवतरण को ध्यान से पढ़कर उस पर पूंछे गए प्रश्नों (प्रश्न सं. 32 से 36 तक) के उत्तरों का चयन विकल्पों में से कीजिए :

यह एक सच्चाई है कि निर्धनों और धनवानों में बेकार लोग होते हैं और परिश्रमी भी. **निर्धन** तथा कर्मशील धनवान भी होते हैं। अनेक भिखारी इतने सुस्त होते हैं कि जैसे उन्हें दस हजार की वार्षिक आय हो और कुछ अतिभाग्यशाली लोग अपने उद्देश्यों से भी अधिक **व्यस्त** होते हैं और बाहर बेकार की बातों में कोई रूचि नहीं रखते, क्योंकि व्यस्त और बेकार लोगों के बीच

VPM CLASSES

अन्तर समस्त पदों और स्थितियों के मनुष्यों में मानसिकता तथा अंतःप्रकृति से सम्बद्ध होता है। अमीरों और गरीबों दोनों में एक ऐसा कर्मशील परिश्रमी वर्ग होता है, जो सशक्त और प्रसन्न होता है, दोनों में बेकार वर्ग भी होता है जो निःशक्त और दुःखी होता है। दोनों वर्गों में निकृष्टतर गलतफहमी उस दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य से उत्पन्न होती है, जब एक वर्ग के बुद्धिमान लोग आदतवश दूसरे वर्ग के मूर्खों के बारे में सोचने लगते हैं। यदि व्यस्त धनवान लोग अपने ही वर्ग के बेकार धनवान लोगों की निगरानी करें और उन्हें फटकार तो उनमें सब ठीक चलता रहेगा और यदि व्यस्त निर्धन बेकार निर्धनों पर ध्यान दें और उन्हें **'बुरा-भला'** कहें, तो भी उनमें सब ठीक ही चलता है, किन्तु प्रायः सब एक-दूसरे के दोषों को जाँचते हैं। एक परिश्रमी सम्पन्न व्यक्ति बेकार भिखारी के प्रति आक्रोश करता है तथा एक सुव्यवस्थित कार्यशील, किन्तु निर्धन व्यक्ति धनवानों के भोग-विलास के प्रति अनुदार होता है। निर्धनों में कोई आचारहीन व्यक्ति ही धनवानों को अपना सहज शत्रु मानता है और धनवानों में भी कोई लम्पट व्यक्ति ही निर्धनों के दोषों और गलतियों के लिए अपशब्द प्रयोग करता है।

32. परिश्रमी धनवान व्यक्ति भिखारी से चिढ़ता है, क्योंकि–

(1) वह भिक्षावृत्ति के अलावा कोई अन्य काम करने का प्रयास नहीं करता

(2) भिक्षावृत्ति समाज के लिए अभिशाप है

(3) कुछ भिखारी अपराधी प्रवृत्ति के हैं

(4) भिखारी सामाजिक वातावरण को दूषित करते हैं

33. मेहनती निर्धन मनुष्य को किस बात से चोट पहुँचती है ?

(1) धनवानों द्वारा किया जाने वाला निर्धनों का शोषण देखकर

(2) धनवानों के भोग-विलास को देखकर

(3) धनवानों द्वारा किए जाने वाले अभद्र व्यवहार को देखकर

(4) धनवानों की कंजूसी देखकर

34. परिश्रमी धनवान और परिश्रमी निर्धन द्वारा किसकी उपेक्षा होती है ?

(1) धनी वर्ग की (2) बेकार वर्ग की

(3) मजदूर वर्ग की (4) निर्धन वर्ग की

VPM CLASSES

35. धनवानों और निर्धनों में कौनसे दो वर्ग होते हैं ?

(1) शोषक और शोषित वर्ग (2) सवर्ण और दलित वर्ग

(3) पूँजीपति और श्रमिक वर्ग (4) कर्मठ-परिश्रमी और बैकार वर्ग

36. धनवान और निर्धन के मध्य गललफहमी उत्पन्न होने का मुख्य कारण यह है कि–

(1) जब एक वर्ग के बुद्धिमान लोग, दूसरे वर्ग के मूर्खों के बारे में खोजने लगते हैं

(2) जब मूर्ख लोग विद्वानों की निंदा करने लगते हैं

(3) धनवान व्यक्ति कम मजदूरी देकर अधिक काम लेना चाहता है

(4) धनी व्यक्ति निर्धनों को रोजगार देने का प्रयास नहीं करतें

37. निःशक्त और दुःखी रहने का क्या कारण है ?

(1) रोगी होना (2) बेकार होना

(3) वृद्ध होना (4) विकलांग होना

38. अंधेरे में कविता का मूल प्रतिपाद्य है –

(1) जिन्होने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया वे तो अंधेरे मे खो गए

(2) स्वार्थी एवं अवसरवादी रोशनी में आ गए।

(3) स्वतंत्रता से पहले की और बाद की स्थिति का तुलनात्मक चित्रण

(4) उपर्यक्त सभी

39. स्थापना A : राम की शक्ति पूजा में राम सत्य और न्याय के प्रतीक है जबकि रावण अन्याय और अत्याचार का।

तर्क R : राम की शक्ति पूजा में कवि के व्यक्ति जीवन का सत्य भी मुर्खात हुआ है।

(1) A गलत R सही (2) A और R दोनों सही

(3) A सही R गलत (4) A और R दोनों गलत

40. निम्न रचनाओं को उनके रचनाकार के साथ सुमेलित कीजिए –

a. कामायनी	1. मुक्तिबोध
b. कुकुरमुत्ता	2. निराला
c. नदी के द्वीप	3. प्रसाद
d. अंधेरे में	4. अज्ञेय

VPM CLASSES

	a	b	c	d
(1)	a-1	b-4	c-3	d-2
(2)	a-3	b-2	c-4	d-1
(3)	a-4	b-1	c-2	d-3
(4)	a-3	b-4	c-1	d-2

41. अज्ञेय किस काव्यधारा के प्रवर्तक माने जाते है –

(1) छायावाद (2) प्रगतिवाद

(3) प्रयोगवाद (4) रोमांरिसिज्म

42. होरी की गाय का नाम क्या था ?

(1) बन्दरिया (2) सुन्दरिया

(3) कपिला (4) कामधेनु

43. इन सूचियों का सुमेलित कीजिए –

a. शशि	1. चंद्रगुप्त
b. अलका	2. गोदान
c. सावित्री	3. शेखर एक जीवनी
d. झुनियां	4. आधे अधूरे

	a	b	c	d
(1)	a-4	b-1	c-3	d-2
(2)	a-3	b-1	c-4	d-2
(3)	a-2	b-1	c-4	d-3
(4)	a-4	b-1	c-2	d-3

44. नारी परीक्षा नहीं प्रेम चाहती है। गोदान उनन्यास में यह कथन हैं –

(1) गोविन्दी का खन्ना से (2) मालती का मेहता से

(3) धनिया का होरी से (4) झुनिया का गोबर से

VPM CLASSES

45. स्थापना A : अवरछाप के आठ कवियों में से चार वल्लभाचार्य के शिष्य थे और चार गोस्वामी विट्ठलनाथ के। इनमें से सूरदास बल्लभाचार्य के शिष्य थे।

तर्क R : सूरदास को पुष्टि मार्ग का जहाज कहा था। वल्लभाचार्य ने।

(1) A गलत R सही (2) A सही R गलत

(3) A और R दोनों सही (4) A और R दोनों गलत

46. अष्टछाप की स्थापना कब हुई ?

(1) 1565 ई. (2) 1566 ई.

(3) 1567 ई. (4) 1568 ई.

47. इन सूचियों को सुमेलित कीजिए –

a. दुलहिनि गावहुं मंगलाचार	1. जायसी
b. मेरोमन मनंत कहां सुख पावै	2. कबीर
c. द्रवहु सो दसरथ अजिर बिहारी	3. सूर
d. पिउसों कहेहु सन्देसडा हे भौरा हे काग	4. तुलसी

	a	b	c	d
(1)	a-1	b-4	c-2	d-3
(2)	a-2	b-3	c-4	d-1
(3)	a-3	b-4	c-1	d-2
(4)	a-4	b-1	c-3	d-2

48. जायसी का पद्मावत किस भाषा में रचित है ?

(1) अवधी (2) ब्रजभाषा

(3) खड़ी बोली (4) फारसी

49. सूरदास का द्वितीय भ्रमरगीत कितने पदो का है ?

(1) केवल एक (2) सात

(3) पांच (4) ग्यारह

50. रामचरित मानस के काण्डों का सही अनुक्रम क्या है ?

(1) अरण्यकाण्ड, किश्किंधाकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, बालकाण्ड

(2) बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किश्किंधाकाण

(3) अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किश्किंधाकाण्ड, बालकाण्ड

(4) अरण्यकाण्ड, बालकाण्ड, किंश्किंधाकाण्ड, अयोध्याकाण्ड

VPM CLASSES

51. तुलसीदास कृत बखै रामायण की रचना का प्रेरणा स्त्रोत है

(1) रहीम का बखै काव्य

(2) सूरसागर का नवम् स्कंध

(3) केशवदास की रामचन्द्रिका

(4) प्राणचंद्र चौहान का रामायण महानायक

52. स्थापना A : सुमित्रानंदन पंत के काव्य का क्रमिक विकास हुआ है। उनकी प्रारम्भिक रचनाएँ प्रगतिवादी भावना से युक्त है।

तर्क R : पंत काव्य के विकास को चार कालों में बाटां गया है – छायावाद, प्रगतिवाद, अन्तश्चेतनावाद, नवमानवतावाद

(1) A और R दोनों गलत (2) A और R दोनों सही

(3) A सही R गलत (4) A आंशिक सही R सही

53. छायावादी काव्य का रूद्र किसे कहा गया है ?

(1) निराला (2) प्रसाद

(3) पंत (4) महादेवी वर्मा

54. छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद तीनों काव्यांदोलनो का पथ प्रदर्शक किसे माना गाया है ?

(1) निराला (2) प्रसाद

(3) महादेवी वर्मा (4) हरिऔध

55. अबे सुन बे गुलाब में गुलाब किसका प्रतीक है

(1) सौन्दर्य का (2) मादकता का

(3) पूंजीपती का (4) आम आदमी का

56. महादेवी वर्मा के काव्य संग्रहों के प्रकाशन वर्ष का सही क्रम है –

(1) नीहार, रश्मि, नीरजा, दीपशिखा

(2) दीपशिखा, नीरजा, रश्मि, नीहार

(3) नीरजा, रश्मि, नीहार, दीपशिखा

(4) नीहार, नीरजा, दीपशिखा, रश्मि

VPM CLASSES

57. धिक जीवन जो वाता ही आया है विरोध

धिक साधन जिसके लिया सदा ही किया शोध। निराला की ये पंक्तियां किस कविता से ली गई हैं ?

(1) सरोज स्मृति (2) कुकुरमुत्ता

(3) जुही की कली (4) राम की शक्ति पूजा

58. इतिवृतात्यकता और स्थूलता के स्थान पर सूक्ष्मता उपलब्ध हाती है :

(1) द्विवेदी युगीन काव्य में (2) छायावादी काव्य में

(3) भारतेन्दु युगीन काव्य में (4) प्रयोगवादी काव्य में

59. निम्न उपन्यासो को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए

(a) मेला आंचल	(i) सुरेन्द्र वर्मा
(b) राग दरबारी	(ii) निर्मल वर्मा
(c) वे दिन	(iii) श्रीलाल शुक्ल
(d) मुझे चांद चाहिए	(iv) फणीखरनाथ रेणु

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	a-(i)	b-(iv)	c-(iii)	d-(ii)
(2)	a-(iii)	b-(iv)	c-(ii)	d-(i)
(3)	a-(iv)	b-(iii)	c-(ii)	d-(i)
(4)	a-(i)	b-(iv)	c-(iii)	d-(ii)

60. कौन सा पात्र गोदान का नही है ?

(1) दातादीन (2) सिलिया

(3) झुनिया (4) मुंशी तोतराम

61. ''मेरी कामना है कि तुम जीवन में एक बहुत बड़े लेखक बनो।'' यह कथ किसका और किसके प्रति है।

(1) शेखर की माँ का शेखर के प्रति (2) शशि का रामेश्वर के प्रति

(3) शशि का शेखर का प्रति (4) विद्यापति का शेखर के प्रति

VPM CLASSES

62. स्थापना (A) : यथार्थ को यथार्थवाद का शे-मैटीरियल कहना उपयुक्त है।
तर्क (R) : यथार्थवाद का तात्पर्य नग्नता, गंदगी या कुरूपता का चित्रण नहीं है, अपितु वह सभी विकृतियों रूढ़ियों पर प्रहार करते हुए अन्ततः मानव मूल्यों का समर्थक है।

(1) A सही R गलत (2) A और R दोनों सही

(3) A गलत R सही (4) A और R दोनों गलत

63. मैला आंचल में जिस गॉव का चित्रण है उसका नाम है :

(1) सेमरी (2) बेलारी

(3) मेरीगंज (4) पुंजरी

64. प्रकाशन काल के अनुसार इतियर की निम्न रचनाओं को अरोही क्रम में लिखिए–

(1) The Sacred World, Selected essary, Poetry and Drama, The Thesis of Poetry

(2) Poetry and Drama, The Thesis of Poetry, The Sacred world, Selected essary

(3) Selected essary, The sacred world, The Thesis of Poetry, Poetry and Drama

(4) Poetry and Drama, Thesacred world, Selected essary, Thesis of Potey

65. निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त दियाः

(1) रिचर्डस ने (2) कालरिज ने

(3) वर्डसवर्थ ने (4) ईलियर ने

66. निम्नलिखित पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय चिंतकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम कौन सा हैं–

(1) कॉलरिज, अरस्तू, आई. ए.ए रिचर्डस, जॉन को रैसम

(2) अरस्तू, कॉलरिज, जॉन को रैंसम, आई. ए. रिचर्डस

(3) कॉलरिज, आई. ए रिचर्डस, जॉन को रैंसम, अरस्तु

(4) आई. ए. रिचर्डस, जॉन को रैसम, कॉलरिज, अरस्तु

67. मार्क्सवादी आकोचना पद्धति का आधार है–

(1) सामाजिक यथार्थ (2) व्यक्ति निष्ठता

(3) इतिवृत्तात्मकता (4) ऐन्द्रिकता

68. 'निर्वैयक्तिकता' के सिद्धांत के प्रतिपादक है–

(1) रिचर्डस (2) इलियर

(3) अरस्तु (4) फ्रायउ

69. किस रस में ओज गुण नहीं पाया जाता है ?

VPM CLASSES

(1) वीर (2) वीभत्स

(3) ऋंगार (4) रौद्र

70. निम्न में से कौन सा पात्र बाणभट्ट की आत्मकथा में नहीं है ?

(1) निपुणिका (2) भट्टिनी

(3) शशि (4) बाणभट्ट

71. स्थापना (A) : भ्रमरगीत का उपजीव्य ग्रंथ है महाभारत।

तर्क (R) : भ्रमरगीत एक उपालम्य काव्य है जिसमें सगुण का खण्डन औश्र निर्मुण मण्डन किया गया है।

(1) A और R दोनों गलत (2) A गलत R आंशिक सही

(3) A सही R गलत (4) A और R दोनों सही

72. 'असाध्य वीणा' कविता अज्ञेय के किस काव्य संकलन में मूलतः संकलित है ?

(1) आंगन के पर द्वार (2) अरी ओ करूणा प्रभामय

(3) इत्लम् (4) सदा नीरा

73. निराला जी की कविता 'कुकुरमुत्ता' में कुकुरमुत्ता किसका प्रतीक है ?

(1) पूंजीपतियों (2) सर्वहारा वर्ग

(3) 1 व 2 दोनों (4) कोई नही

74. स्थापना (A) : रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक भरतमुनि है जिनके ग्रंथ का नाम नाट्य शास्त्र है। रस सूत्र इन्होनें ही दिया है।

तर्क (R) : रस सूत्र के तीसरे व्याख्याता आचार्य शंकुक है जिन्होने साधारणीकरण का सिद्धांत दिया।

(1) A गलत R सही (2) A सही R गलत

(3) A और R दोनों गलत (4) A और R दोनों सही

75. स्थापना (A) : क्रोचे ने अभिव्यंजनावाद को जो सिद्धांत दिया वह स्वयं प्रकाश ज्ञान को मान्यता देता है।

तर्क (R) : आचार्य रामचंद्र शुक्ल अभिव्यंजनावाद को भारतीय वक्रोक्ति सिद्धान्त का पिलायती उत्यान कहते है।

(1) A गलत R सही (2) A और R दोनों सही

(3) A सही R गलत (4) A और R दोनों सही

VPM CLASSES

76. निम्नलिखित रीतिकालीन रचनाओं को उनके रचनाकाल के सही क्रम में रखिए –

(1) रसराज, पद्माभरण, अलंकारचंद्रोदय, वृत्तकौमुदी

(2) वृत्तकौमुदी, अलंकारचंद्रोदय, पद्माभरण, रसराज

(3) रसराज, वृत्तकौमुदी, अलंकारचंद्रोदय, पद्माभरण

(4) अलंकारचंद्रोदय, पद्माभरण, रसराज, वृत्तमौमुदी

77. पद्माकर की निम्न रचनाओं को उनकी विशेषताओं के साथ सुमेलित कीजिए –

(a) कलि पच्चीसी	(i) वैराग्य निरूपण
(b) पद्माभरण	(ii) अलंकार ग्रंथ
(c) प्रबोध पचासा	(iii) कलियुग का वर्णन
(d) जगद्विनोद	(iv) श्रृंगार रस का ग्रंथ

	a	b	c	d
(1)	a-(iv)	b-(ii)	c-(i)	d-(iii)
(2)	a-(ii)	b(i)	c-(iv)	d-(iii)
(3)	a-(i)	b-(ii)	c-(iii)	d-(iv)
(4)	a-(iii)	b-(ii)	c-(i)	d-(iv)

78. भारतेन्दु युगीन निम्न कवियों को उसकी विशेषताओं के साथ सुमेलित कीजिए –

(a) भारतेन्दु जी	(i) 'अब्र' उपनाम से उर्दू में भी कविताएं लिखी
(b) प्रेमधन	(ii) 'पीयूष प्रवाह' के संपादक
(c) प्रताप नारायण	(iii) कवि वचन सुधा, हरिश्चंद्र पत्रिका के संपादक
(d) अम्बिकादत्त	(iv) 'ब्राह्मण' पत्र के संपादक

कूटः

	a	b	c	d
(1)	a-(iv)	b-(ii)	c-(iii)	d-(i)
(2)	a-(iii)	b-(i)	c-(iv)	d-(ii)
(3)	a-(ii)	b-(iv)	c-(i)	d-(iii)
(4)	a-(i)	b-(iv)	c-(ii)	d-(iii)

VPM CLASSES

79. भारतेन्दु युगीन भक्तिपरक रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए –

(a) नवभक्तमाल	(i) अम्बिकादत्त
(b) कंसवध	(ii) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'
(c) सूर्य स्त्रोत	(iii) राधाचरण गोस्वामी
(d) कार्तिक स्नान	(iv) भारतेन्दु जी

a b c d

(1) a-(iv) b-(i) c-(ii) d-(iii)

(2) a-(iii) b-(i) c-(ii) d-(iv)

(3) a-(ii) b-(iv) c-(iii) d-(i)

(4) a-(i) b-(ii) c-(iii) d-(iv)

80. राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों को उनके जीवन काल के साथ सुमेलित कीजिए –

(a) अयोध्या सिंह उपाध्याय	(i) 1865 – 1947 ई.
(b) रायदेवी प्रसाद	(ii) 1883 – 1972 ई.
(c) रामचरित उपाध्याय	(iii) 1868 – 1915 ई.
(d) गयाप्रसाद शुक्ल	(iv) 1872 – 1938 ई.

कूट:

a b c d

(1) a-(iv) b-(ii) c-(iii) d-(i)

(2) a-(ii) b-(i) c-(iv) d-(iii)

(3) a-(ii) b-(iv) c-(i) d-(iii)

(4) a-(i) b-(iii) c-(iv) d-(ii)

81. स्वच्छन्दतावादी निम्न कवियों को उनके जीवनकाल के आरोही क्रम में रखिए –

(1) श्रीधर पाठक, मुकुटधर पाण्डेय, जगन्नाथ दास, सत्यनारायण

(2) सत्यनारायण, जगन्नाथदास, मुकुटधर पाण्डेय, श्रीधर पाठक

(3) श्रीधर पाठक, सत्यनारायण, जगन्नाथ दास, मुकुटधर पाण्डेय

(4) श्रीधर पाठक, जगन्नाथ दास, सत्यनारायण, मुकुटधर पाण्डेय

VPM CLASSES

82. उत्तरछायावाद के निम्न कवियों को उनके जीवनकाल के आरोही क्रम में लिखिए –

(1) दिनकर जी, सियारामशरण गुप्त, उदयशंकर भट्ट, सोहनलाल द्विवेदी

(2) उदयशंकार भट्ट, सियारामशरण गुप्त, दिनकर जी, सोहनलाल द्विवेदी

(3) सियारामशरण गुप्त, उदयशंकर भट्ट, सोहनलाल द्विवेदी, दिनकर जी

(4) दिनकर जी, सोहनलाल द्विवेदी, सियारामशरण गुप्त, उदयशंकर भट्ट

83. निम्नलिखित नई कविता के कवियों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए –

(a) अज्ञेय	(i) धूप के धान
(b) गिरजाकुमार माथुर	(ii) कनुप्रिया
(c) धर्मवीर भारती	(iii) ब्रह्मराक्षस
(d) मुक्तिबोध	(iv) भग्नदूत

कूट:

	a	b	c	d
(1)	a-(iv)	b-(i)	c-(ii)	d-(iii)
(2)	a-(iii)	b-(ii)	c-(i)	d-(iv)
(3)	a-(iv)	b-(i)	c-(ii)	d-(iii)
(4)	a-(i)	b-(iii)	c-(ii)	d-(iv)

84. स्थापना (A) : वर्तमान कविता भाव जगत से विच्छिन्न होकर एक विचार मात्र बन गई है। आवश्यकता इस बात की है कि उसे भाव जगत से जोड़ा जाए।

तर्क (R) : समकालीन कविता उन्ही अनुभूतियों को अभिव्यक्ति देती है जो जीवन की निर्भय वास्तविकताओं से मन में उभरती है।

(1) A सही और R गलत है (2) A गलत और R सही है

(3) A और R दोनों सही है (4) A और R दोनों गलत है

85. स्थापना (A) : हिन्दी उपन्यास का आरम्भ भी अंग्रेजी से अनूदित उपन्यासों से माना जाता है। सन् 1853 ई. में वंशीधर द्वारा थामस डे के लोकप्रिय उपन्यास 'सैण्डफोर्ड एण्ड मर्टन' का अनुवाद किया गया।

VPM CLASSES

तर्क (R) : प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यासों में प्रधानतः सुधारवादी एवं उपदेशवादी प्रवृत्ति दिखाई देती है।

(1) A और R दोनों सही है। (2) A सही और R गलत है

(3) A गलत और R सही है (4) A और R दोनों गलत है

86. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके रचनाकाल के आरोही क्रम में रखिए –

(1) रहस्यकथा, नूतन ब्रह्मचारी, धूर्त रसिकलाल, बिगड़े का सुधार

(2) बिगड़े का सुधार, धूर्त रसिकलाल, नूतन ब्रह्मचारी, रहस्यकथा

(3) धूर्त रसिकलाल, नूतन ब्रह्मचारी, रहस्यकथा, बिगड़े का सुधार

(4) बिगड़े का सुधार, धूर्त रसिकलाल, रहस्यकथा, नूतन ब्रह्मचारी

87. स्थापना (A) : प्रेमचंद हिन्दी के युगप्रवर्तक कहानीकार माने जाते हैं। उर्दू में लिखा उनका कहानी संग्रह 'सोजे वतन' 1907 ई. में प्रकाशित हुआ था।

तर्क (R) : प्रेमचंद जी की पहली हिन्दी कहानी 'पंच परमेश्वर' सन् 1916 ई. में प्रकाशित हुई अंतिम 'कफन' 1936 ई. में।

(1) A सही और R गलत है। (2) A और R दोनों सही है

(3) A गलत और R सही है (4) A और R दोनों गलत है

88. निम्नलिखित कहानियों को उनके रचनाकार के साथ सुमेलित कीजिए –

(a) धूपरेखा	(i) मुक्तिबोध
(b) ये तेरे प्रतिरूप	(ii) अज्ञेय
(c) आकाशचारी	(iii) इलाचंद्र जोशी
(d) नयी जिन्दगी	(iv) उपेन्द्रनाथ अश्क

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	a-(iv)	b-(iii)	c-(ii)	d-(i)
(2)	a-(i)	b-(ii)	c-(iv)	d-(iii)
(3)	a-(ii)	b-(i)	c-(iii)	d-(iv)
(4)	a-(iii)	b-(ii)	c-(iv)	d-(i)

VPM CLASSES

89. निम्नलिखित कहानियों को रचनाकाल के सही क्रम में रखिए –

(1) कस्बे का आदमी, अग्नि खोर, विध्वंश, सहयात्री

(2) अग्निखोर, विध्वंश, सहयात्री, कस्बे का आदमी

(3) विध्वंश, सहयात्री, अग्निखोर, कस्बे का आदमी

(4) कस्बे का आदमी, सहयात्री, विध्वंश, अग्निखोर

90. भारतेन्दु जी की निम्न मौलिक रचनाओं को उनके रचनाकाल के सही क्रम में लिखिए –

(1) विषस्य विषमौषधम्, भारत दुर्दशा, नील देवी, सती प्रताप

(2) सती प्रताप, भारत दुर्दशा, विषस्य विषमौषधम्, नील देवी

(3) भारत दुर्दशा, विषस्य विषमौषधम्, नील देवी, सती प्रताप

(4) भारत दुर्दशा, नील देवी, विषस्य विषमौषधम्, सती प्रताप

91. निम्न एकांकी संग्रह को उनके एकांकीकार के साथ सुमेलित कीजिए –

(a) सप्त रश्मि	(i) मोहन राकेश
(b) सिपाही की माँ	(ii) धर्मवीर भारती
(c) बारह एकांकी	(iii) सेठ गोविन्ददास
(d) सृष्टि का आखिरी आदमी	(iv) विष्णु प्रभाकर

कूटः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	a-(iii)	b-(ii)	c-(i)	d-(iv)
(2)	a-(iv)	b-(i)	c-(iii)	d-(ii)
(3)	a-(ii)	b-(iv)	c-(i)	d-(iii)
(4)	a-(iii)	b-(i)	c-(iv)	d-(ii)

92. स्थापना (A) : भारतेन्दु युग को हिन्दी निबंध की विकास यात्रा का प्रारम्भिक चरण माना जा सकता है।

तर्क (R) : भारतेन्दु जी के निबंध विषय एवं शैली की दृष्टि से विविधतापूर्ण है। वे लेखक होने के साथ–साथ पत्रकार भी है। अतः उनमें वैयक्तिकता के साथ–साथ सामाजिकता का भी समावेश है।

VPM CLASSES

(1) A सही और R गलत है। (2) A गलत और R सही है

(3) A और R दोनों गलत है (4) A और R दोनों सही है

93. निम्नलिखित निबन्धों को उनके रचनाकाल के सही क्रम में लिखिए –

(1) अस्मिता के लिए, लागो रंग हरी, देश, धर्म और साहित्य, पीपल के बहाने

(2) लागो रंग हरी, देश, धर्म और साहित्य, पीपल के बहाने, अस्मिता के लिए

(3) देश, धर्म और साहित्य, पीपल के बहाने, लागो रंग हरी, अस्मिता के लिए

(4) पीपल के बहाने, लागो रंग हरी, देश, धर्म और साहित्य, अस्मिता के लिए

94. स्थापना (A) : हिन्दी आलोचना को विकसित करने में 'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

तर्क (R) : हिन्दी समालोचना को चरम उत्कर्ष पर पहुँचाने का श्रेय आलोचक सम्राट आचार्य शुक्ल को है।

(1) A सही और R गलत है। (2) A और R दोनों सही है

(3) A गलत और R सही है (4) A और R दोनों गलत है

95. निम्नलिखित रेखाचित्र व संस्मरण को उनके रचनाकाल के अनुसार सही क्रम में लिखिए –

(1) स्मारिका, अतीत के चलचित्र, मेरा परिवार, स्मृति की रेखाएँ

(2) स्मृति की रेखाएँ, मेरा परिवार, अतीत के चलचित्र, स्मारिका

(3) अतीत के चलचित्र, स्मृति की रेखाएँ, स्मारिका, मेरा परिवार

(4) मेरा परिवार, स्मृति की रेखाएँ, स्मारिका, अतीत के चलचित्र

96. निम्नलिखित आलोचना कृतियों को उनके रचनाकार के साथ सुमेलित कीजिए –

(a) गोस्वामी तुलसीदास	(i) डॉ. रामविलास शर्मा
(b) नया साहित्य –नये प्रश्न	(ii) आचार्य द्विवेदी
(c) मध्यकालीन बोध का स्वरूप	(iii) नन्ददुलारे वाजपेयी
(d) प्रेमचन्द और उनका युग	(iv) आचार्य शुक्ल

कूटः

VPM CLASSES

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

97. स्थापना (A) : रस काव्य का अंतरंग तत्व है, बहिरंग तत्व नही। अतः अलंकार आदि की भांति यह काव्य की शोभा नही बढ़ाता अपितु शोभा उत्पन्न करता है।

तर्क (R) : रस आस्वाद्य रूप है। आस्वाद नही। रस अलौकिक चमत्कार है।

(1) A सही और R गलत है। (2) A और R दोनों सही है।

(3) A और R दोनों गलत है। (4) A गलत और R सही है।

98. स्थापना (A) : शब्द को सुनकर या पढ़कर श्रोता या पाठक को उसका लोक प्रसिद्ध प्रचलित अर्थ तत्क्षण ज्ञात होता है उसे व्यंग्यार्थ कहते है।

तर्क (R) : लक्ष्यार्थ का बोध कराने वाली शब्द शक्ति को लक्षणा शब्द शक्ति कहते है।

(1) A सही और R गलत है। (2) A गलत और R सही है।

(3) A और R दोनों सही है। (4) A और R दोनों सही है।

99. 'काव्य की मुक्त एवं स्वच्छंद अभिव्यक्ति प्रणाली' को क्या कहा जाता है ?

(1) स्वच्छंदतावाद (2) यथार्थवाद

(3) आधुनिकता (4) संरचनावाद

100. जो रहीम उत्तम प्रकृति का करि सकत कुसंग।

चंदन विष व्याप्त नही लपटे रहत भुजंग। इस दोहें में कौन सा अलंकार है ?

(1) निदर्शना (2) दृष्टांत

(3) अर्थान्तरन्यास (4) संदेह

VPM CLASSES

QUESTION	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
ANSWER	3	2	1	2	1	4	3	4	1	2	2	2	2	3	4	3	1	2	2	4
QUESTION	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
ANSWER	3	4	1	3	2	1	4	3	2	1	4	1	2	2	2	4	1	4	2	2
QUESTION	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
ANSWER	3	2	2	2	2	1	2	1	1	2	1	4	1	1	3	1	4	2	3	4
QUESTION	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
ANSWER	3	2	3	3	4	2	1	2	3	3	2	1	2	2	2	3	4	2	4	4
QUESTION	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
ANSWER	4	3	1	3	1	1	2	4	4	1	4	2	1	2	3	1	1	2	1	3

HINTS AND SOLUTIONS

1.(3) होमर प्लेटो का समकालीन कवि था।

2.(2) पस्तुत मत प्रोफेसर मूरे का है।

3.(1) पेरिइप्सुस रचना के रचियता लोजाइनस है।

4.(2) A सही R गलत।

5.(1) हीरा के उस भाई का नाम शोभा था जो कि होरी के नाम से अलग रहता था।

6.(4) इनमें से मंदाकिनी पात्र चंद्रगुप्त नाटक का नही है।

7.(3) लहरों के राजहंस सुन्दरी

आधे अधूरे	सावित्री
आषाढ़ का एक दिन	मल्लिका
चन्द्रगुप्त	कार्नेलिया

8.(4) भक्ति भावना मूलतः दक्षिण भारत में उत्पन्न हुई।

9.(1) महाराष्ट्र के प्रसिद्ध भक्त नामदेव ने भक्ति मार्ग को महत्व दिया।

10.(2) व्रजयानी शाखा से सिद्ध सम्प्रदाय का विकास हुआ।

11.(2) लक्षण ग्रंथ लिखने वाले कवियों को रीतिबद्ध कहा जाता है।

12.(2) प्रस्तुत कथन भागीरथ मिश्र का हैं।

13.(2) A सही R गलत

VPM CLASSES

14.(3) प्रार्थना समाज के संस्थापक केशवचन्द्र सेन थे तथा इसके प्रमुख उन्नायक महादेव गोविन्द रानाडे थे।

15.(4) रस कलश अयोध्यासिंह उपाध्याय द्वारा रचित ब्रजभाषा की रचना है।

16.(3) जयशंकर प्रसाद – 1890–1937

निराला – 1897–1962

सुमित्रा नंदन पंत – 1900–1977

महादेवी – 1907–1987

17.(1) प्रद्युम्न विजय – 1893

रूक्मिणी परिणय – 1894

ठेठ हिन्दी का ठाठ – 1899

अधखिला फूल – 1907

18.(2) प्रगतिशील लेखक संघ का पहला अधिवेशन लखनऊ 1936 में प्रेमचन्द की अध्यक्षता में हुआ।

19.(2) प्रस्तुत पंक्तियां प्रगतिवाद से संबंधित है।

20.(4) परीक्षा गुरू की कथावस्तु दिल्ली के एक सेठपुत्र मदन मोहन की कहानी है जो भौतिकवाद की चकाचौंध मे पडकर अपनी सारी संपत्ति गंवा बैढा।

21.(3) नभ मे मचा दे हलचल क्रांति

सूने गलियारो की उदासीनिराशा

मलय का झोंका बुलाया सुगंध

यह प्रेम यज्ञ की ज्वाला है आत्मबलिदान

22.(4) परीक्षा गुरू लाला श्री निवासदास

देवरानी जेठानी की कहानी पं. गौरीदत्त

निस्सहाय हिन्दू राधाकृष्णदास

भाग्यवती श्रद्धाराम फुल्लौरी

23.(1) दिल्ली का दलाल–1927, बुधुआ की बेटी–1928, शराबी–1930, जीजाजी–1944।

24.(3) भारतेन्दु जी का विद्यासुंदर नाटक संस्कृत के पंचाशिका का हिन्दी अनुवाद है।

VPM CLASSES

25.(2) जनमेजय का नागयज्ञ में आर्यों और नागजाति के संघर्ष को बताया गया है।

26.(1) पहला अंक कौख नगरी

दूसरा अंक पशु का उदय

तीसरा अंक अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य

चौथा अंक गांधारी का शाप

27.(4) गंधमादन रचना विद्यानिवास मिश्र की नहीं हैं।

28.(3) निम्न में से श्रद्धा भक्ति मनोविकार संबंधी निबंध है।

29.(2) वर्डसवर्थ के अनुसार प्रबल मनोभावों का सहज उच्छलन ही कविता है।

30.(1) वह आदमी नहीं हैवान है अपह्नुति

वे तो मानो देवता है उत्प्रेक्षा

कहीं यह उसकी चाल तो नहीं भ्रांतिमान

आप तो साक्षात इन्द्र है रूपक

31.(4) कवितावली में रस संबंधी व्याख्या नहीं है।

32.(1) वह भिक्षावृत्ति के अलावा कोई अन्य काम करने का प्रयास नहीं करता।

33.(2) धनवानों के भोग-विलास को देखकर।

34.(2) बेकार वर्ग की।

35.(2) सवर्ण और दलित वर्ग।

36.(4) धनी व्यक्ति निर्धनों को रोजगार देने का प्रयास नहीं करतें।

37.(1) निःशक्त और दुःखी रहने का कारण रोगी होना है।

38.(4) अंधेरे में कविता में उपर्युक्त सभी विशेषताएं है।

39.(2) A और R दोनों सही।

40.(2) कामायनी प्रसाद

कुकुरमुत्ता निराला

नदी के द्वीप अज्ञेय

अंधेरे में मुक्तिबोध

VPM CLASSES

41.(3) अज्ञेय पयोगवाद काव्य धारा के प्रवर्तक माने जाते है।

42.(2) होरी की गाय का नाम सुन्दरिया है।

43.(2) शशि शेखर एक जीवनी

अलका चंद्रगुप्त

सावित्री आधे अधूरे

झुनियां गोदान

44.(2) मालती का मेहता से।

45.(2) A सही R गलत

46.(1) अष्टछाप की स्थापना 1565 ई. मे हुई।

47.(2) दुलहिनि गावहुं मंगलाचार कबीर

मेरोमन मनंत कहां सुख पावै सूर

द्रवहु सो दसरथ अजिर बिहारी तुलसी

पिउसों कहेहु सन्देसडा हे भौरा हे काग जायसी

48.(1) जायसी का पदमावत अवधी भाषा मे हैं।

49.(1) सूर का द्वितीय भ्रमरगीत केवल एक पद का है।

50.(2) बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किश्किंधाकाण।

51.(1) तुलसी के बखै रमायण की रचना का प्रेरणा रहीम का बखै काव्य है।

52.(4) A आंशिक सही R सही

53.(1) निराला को छायावादी काव्य का रूद्र कहा गया है।

54.(1) निराला को छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तीनो काव्यांदोलनों का पथ प्रदर्शक माना गया है।

55.(3) अबे सुन बे गुलाब में गुलाब सौन्दर्य का प्रतीक हैं।

56.(1) नीहार 1930, रश्मि 1932, नीरजा 1935, दीपशिखा 1942।

57.(4) ये पंक्तियां राम की शक्ति पूजा कविता से ली गई है।

58.(2) छायावादी काव्य में इतिवृतात्मकता और स्थूलता के स्थान पर सूक्ष्यता उपलब्ध होती है।

VPM CLASSES

59. (3) 1. मैला अचिल – फणीश्वर नाम रेणु

2. राण दरबारी – श्रीलाल शुक्ल

3. वे दिन – निर्मल वर्मा

4. मुझे चांद चाहिए – सुरेन्द्र वर्मा

60.(4) निम्न में से मुंशी तोतराम गोदान का पात्र नहीं है।

61.(3) यह कथन शशि का शेखर के प्रति है।

62.(2) A और R दोनो सही

63.(3) मैला आंचल में मेरीगंज गॉव का चित्रण है।

64.(3) Selected essary (1971), The Scared world (1920), Thesis of Poetry (1953), Poetry and DramA (1957)

65.(4) निर्वैयक्तिकता का सिंद्धात इंलियर ने दिया।

66.(2) अरस्तु, कॉलरिज, जॉन को रैंसम, आई. ए. रिचर्डस

67.(1) मार्क्सवादी आलोचना पद्धति का आधार सामाजिक यथार्थ है।

68.(2) 'निर्वैयक्तिकता' के सिद्धांत के प्रतिपादक इलियर है।

69.(3) ऋंगार रस में ओज गुण नहीं पाया जाता।

70.(3) शशि बाणभट्ट की आत्मकथा का पात्र नहीं है।

71.(2) A गलत R आंशिक सही।

72.(1) 'असाध्य वीणा' कविता अज्ञेय के 'आंगन के पार द्वार' काव्य संकलन से ली गई है।

73.(2) निराला की कविता में कुकुरमुत्ता सर्वहारा वर्ग का प्रतीक है।

74.(2) A सही R गलत।

75.(2) A और R दोनों सही।

76.(3) रसराज (1643 ई.), वृत्तकौमुदी (1701 ई.), अलंकारचंद्रोदय (1729 ई.), पद्माभरण (1810 ई)

77.(4) 1. कलि पच्चीसी – कलियुग का वर्णन

2. पद्माभरण – अलंकार ग्रंथ

3. प्रबोध – वैराग्य निरूपण

4. जगद्विनोद – श्रृंगार रस का ग्रंथ

VPM CLASSES

78.(2) 1. भारतेन्दु जी – कवि वचन सुधा, हरिश्चंद्र पत्रिका के संपादक।

2. (बदरीनारायण) प्रेमधन – 'अब्र' उपनाम से उर्दू में भी कविताएं लिखी।

3. प्रताप नारायण – 'ब्राह्मण पत्र' के संपादक

4. अम्बिकादत्त – 'पीयूष प्रवाह' के संपादक

79.(4) 1. नवभक्तमाल – राधाचरण गोस्वामी

2. कंसवध – अम्बिकादत्त व्यास

3. सूर्य स्त्रोत – बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'

4. कार्तिक स्नान – भारतेन्दु जी

80.(4) 1. अयोध्या सिंह उपाध्याय – 1865 – 1947 ई.

2. राय देवी प्रसाद – 1868 – 1915 ई.

3. रामचरित उपाध्याय – 1872 – 1938 ई.

4. गया प्रसाद शुक्ल – 1883 – 1972 ई.

81(4) श्रीधर पाठक (1859), जगन्नाथ दास (1866), सत्यनारायण (1880), मुकुटधर पाण्डेय (1895 ई)

82.(3) सियारामशरण गुप्त (1895), उदयशंकर भट्ट (1898), सोहनलाल द्विवेदी (1906), दिनकर (1908)

83.(1)

1. अज्ञेय – भग्नदूत
2. गिरजाकुमार माथुर – धूप के धान
3. धर्मवीर भारती – कनुप्रिया
4. मुक्तिबोध – ब्रह्मराक्षस

84.(3) A और R दोनों सही है।

85.(1) A और R दोनों सही है।

86.(1) रहस्यकथा (1879 ई.), नूतन ब्रह्मचारी (1886 ई.), धूर्त रसिकलाल (1899 ई.), बिगड़े का सुधार (1907 ई.)।

87.(2) A और R दोनों सही है।

VPM CLASSES

88.(4) 1.धूपरेखा —इलाचंद्र जोशी

2.ये तेरे प्रतिरूप—अज्ञेय

3.आकाशचारी —उपेन्द्रनाथ अश्क

4.नयी जिन्दगी —मुक्तिबोध

89.(4) कस्बे का आदमी (1958 ई.), सहयात्री (1959 ई.), विध्वंश (1965 ई.), अग्निखोर (1973 ई.)

90.(1) विषस्य विषमौषधम् (1876), भारत दुर्दशा (1880), नील देवी (1881), सती प्रताप (1883)।

91.(4)

1.	सप्त रश्मि	—	सेठ गोविन्ददास
2.	सिपाही की माँ	—	मोहन राकेश
3.	बारह एकांकी	—	विष्णु प्रभाकर
4.	सृष्टि का आखिरी आदमी	—	धर्मवीर भारती

92.(2) A और R दोनों सही है।

93.(1) अस्मिता के लिए (1981), लागो रंग हरी (1985), देश, धर्म और साहित्य (1992), पीपल के बहारे (1994)

94.(2) A और R दोनों सही है।

95.(3) अतीत के चलचित्र (1941), स्मृति की रेखाएँ (1947), स्मारिका (1971), मेरा परिवार (1972)।

96.(1)

1.	गोस्वामी तुलसीदास	—	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2.	नया साहित्य—नये प्रश्न	—	नन्ददुलारे वाजपेयी
3.	मध्यकालीन बोध का स्वरूप	—	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4.	प्रेमचंद और उनका युग	—	डॉ. रामविलास शर्मा

97.(1) A सही और R गलत है।

98.(2) A गलत और R सही है।

99.(1) काव्य की मुक्त एवं स्वच्छंद अभिव्यक्ति प्रणाली को स्वच्छंदतावाद कहा जाता है।

100.(3)इस दोहें में अर्थान्तरन्यास अलंकार है।

VPM CLASSES